प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– कानपुर देहात।

पत्रांक–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / आई.ई.सी. / सहयोगात्मकपर्यवेक्षण / 18–19 / टी.सी.43सी. / 2293 दिनांक 13-06-19

विशय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स / समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 29 मई, 2019 से 31 मई, 2019 तक जनपद कानपुर देहात में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव, सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय

(थम्बिम असरिया ए0)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / आई.ई.सी. / सहयोगात्मकपर्यवेक्षण / 18–19 / टी.सी.43सी / तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मण्डल।
3. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, कानपुर देहात।
4. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर देहात।

(डॉ0 मीनाक्षी सिंह)
महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0 / नोडल कानपुर मण्डल

Scanned by CamScanner

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई / 2018–19 / 18 / 565–2 दिनांक 24.04.2018 व पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई. / 2018–19 / 04 / 10262 दिनांक 31.12.18 में प्रदत्त निर्देशानुक्रम में दिनांक 29.05.2019 से 31.05.2019 तक जनपद–कानपुर देहात में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का फीड बैक निम्नवत है–

Major Findings from the Visit Site	Intervention Identified	Level of Intervention
वी.एच.एन.डी.,हाशेमऊ, छतेनी, मलासा – 29.05.2019 आई.डी.सी.एफ. पखवाडा ग्राम हाशेमऊ में जब्बार के मकान में वी.एच.एन.डी. सत्र आयोजित किया जा रहा था जहां आशा बहु मीरा देवी सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए मिली। • आशा के पास मात्र एक पोस्टर व दो लीफलेट पाये गये, एक ही पोस्टर से 1885 की आबादी वाले गांव में आई.डी.सी.एफ. का प्रचार प्रसार किया जा रहा था। • मौके पर मौजूद बी.सी.पी.एम. सुरेन्द्र गुप्ता ने बताया कि ए.एन.एम. को पोस्टर आशाओं को पहुंचाने के लिए दिये गये थे,जल्द ही आशाओं को उपलब्ध करा दिये जायेंगे। • ग्राम हाशेमऊ में टीम द्वारा भ्रमण कर स्वास्थ्य से जुडी योजनाओं के बारे में लोगों से बात की गई। ग्रामीणो से हुई वार्ता के सार अनुसार लोगों के पास योजानाओं की आधी अधूरी जानकारी है, आई.ई.सी सामाग्री की गांव में नितान्त आवश्यकता प्रतीत हुई।	आशा के स्तर पर समुदाय की संख्या केदृष्टिगत अपेक्षित आई.ई.सी. मैटेरियल की अनुपलब्धता	प्रभारी आई.डी.सी.एफ. अधिकारी
श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,पुखरांयां • चिकित्सा अधीक्षक डा. संजीव कुमार ने बताया कि पुखरांया सी.एच.सी. को एफ.आर.यू. का दर्जा दिया गया है लेकिन बीते तीन माह से सीजर नहीं किया जा रहा हैं। • डी–फैब्यूलेटर न होने के कारण एनेस्थिसिया नहीं दिया जा पा रहा है इसलिए सीजर वाले केस को भर्ती नहीं किया जा रहा है और ऐसी अवस्था में 7 से कम हीमोग्लोबिन वाली प्रसूताओं को रिफर कर दिया जाता है। • ब्लड स्टोरेज युनिट का लाइसेंस रिवाइस न होने के कारण युनिट अक्रियाशील पाई गई। • चिकित्सा ईकाई में ग्लूकोस डी 75 ग्राम की आपूर्ति काफी लम्बे से समय से बाधित है।	एफ.आर.यू. के स्तर को बनाये रखने हेतु सीजर और ब्लड बैंक शुरू कराया जाना आवश्यक है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्टेट ब्लड सेल
• नॉन ब्लाक सी.एच.सी. होने के कारण पुखरांया में डाटा आपरेटर नहीं है लैव एससिसटेंट से डाटा इंट्री कराई जा रही है। • आयुष्मान मित्र के तहत जिस महिला आपरेटर की भर्ती की गई उसे कम्प्यूटर चलाना भी नहीं आता है। • 30 बेड सी.एस.सी. में शिशु रोग चिकित्सक की जगह लम्बे समय से रिक्त है। • आपरेशन थिएटर में ओ.टी टेक्नीशियन का पद रिक्त हैं। • 350 से 400 की ओ.पी.डी. होने के बाद भी पंजीकरण हेतु कोई निर्धारित स्टाफ की सी.एच.सी. में नियुक्ति नहीं है।	एच.आर. की कमी पाई गई	मुख्य विकास अधिकारी / एन.एच.एम. स्टेट
• जननी सुरक्षा वार्ड में प्रसूताओं को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में कोई भी आई.ई.सी. मैटेरियल वार्ड में नही पाया गया।	आई.ई.सी. मैटेरियल की अपर्याप्तता	एम.ओ.आई.सी.

Scanned by CamScanner

• जे.एस.वाई. वार्ड में लगा कूलर खराब पाया गया। • प्रसव पश्चात प्रसूताओं को 8–10 घंटे में ही डिस्चार्ज किया जा रहा है। • चिकित्सा इकाई में **BMW** वाहन 3–4 दिन के अन्तर पर। • इस ब्लाक का कोल्ड चेन पुखरांया **CHC** के एक कक्ष में अलग से है। • वार्ड में प्रसूता को स्तनपान एवं परिवार नियोजन की सलाह के लिए कोई काउंसलिंग नही की जा रही है।	प्रसव पश्चात चिकित्सा इकाई में 48 घंटे रूकने के लिये लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया जाना अपेक्षित। स्तनपान एवं परिवार नियोजन की सलाह वार्ड में नर्स द्वारा अपेक्षित।	
<u>हवासपुर , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का पर्यवेक्षण, संदलपुर – 30.05.2019</u> • बी.पी.एम. उमेश कुमार द्वारा पर्यवेक्षण में सहयोग किया गया, मेडिकल आफिसर डा0 केदारनाथ वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि शिशु रोग चिकितसक न होने के कारण कई बार नवजात शिशुओं को रिफर करना पडता है, पीड्रियाटिशियन की आवश्यकता है।	एच.आर. की कमी पायी गई।	
• चिकित्सा ईकाई में एण्टीबायोटिक,पैरासिटामाल सिरप,मल्टीविटामिन,फलूड,ओरल ऐंटासिड काफी समय से अनुपलब्ध हैं।	आवश्यक दवाओ की अनुपलब्धता	एम.ओ.आई.सी.
• लेबर रूम में साफ सफाई को लेकर स्टाफ नर्स की लापरवाही उजागर हुई, सेवन ट्रे भी नहीं पाई गई। • सघन दस्त नियंत्रण पखवाडा आयोजित किया जा रहा था, किन्तु ओ.आर.एस. घोल की कमी पाई गई।		
• प्रसव कक्ष में डिलीवरी टेबल पर हवा भरे कैलिस पैड नही। • डयूटी रूम में नर्स के पास उपलब्ध डिजिटल वजन मशीन खराब।	डिलीवरी टेवल पर हवा भरे कैलिस पैड अपेक्षित।	एम.ओ.आई.सी.
• प्रसव पश्चात प्रसूताओं को 12 घंटे में ही डिस्चार्ज किया जा रहा है। • लेबर रूम में कोई भी पंखा या ए.सी नहीं लगा हुआ है।	प्रसूताओं को 48 घंटे रूकने हेतु प्रोत्साहित किया जाना अपेक्षित	
• जे.एस.वाई. वार्ड में प्रसूताओं को मिलने वाली सुविधायों के बारे आई.ई.सी. नहीं पाई।	आई.ई.सी. मैटेरियल नहीं पाया गया	एम.ओ.आई.सी.
• लेबर रूम में प्रोटोकाल पोस्टर नहीं पाये गये। • एन.बी.सी.सी. न होने के कारण फोटो वोल्टिक मशीन और रेडिऐंट वार्मर अकियाशील पाये गये।	कियाशील उपकरण अपेक्षित।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
• चिकित्सा ईकाई में छह डाक्टर पोस्टेड होने के बाद भी सीजर केस नहीं लिए जा रहे थे।		मुख्य चिकित्सा अधिकारी
• मई और जून का आर.बी.एस.के. प्लान चेक किया गया।(रिपोर्ट के साथ संलग्न) • बी.ए.एम. के अवकाश पर होने के कारण रोगी कल्याण समिति रजिस्टर स्टाफ द्वारा नहीं दिखाया गया।	टीमों में संयोजन की कमी	महाप्रबंधक आर. बी.एस.के.
<u>कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी</u> दिनांक 30.05.2019 को कानपुर देहात मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय के कक्ष में पायी गई कमियों को तत्काल दूर किये जाने संबंधी विषय पर चर्चा की गई। • टीम द्वारा अवगत कराया गया कि आई.डी.सी.एफ. पखवाडे में आशाओं को दी गई आई.ई.सी. सामाग्री नगण्य हैं, जिसके कारण लोगों में जागरूकता का अभाव पाया गया।	यमस्त स्वास्थ्य कार्यकमों की जारूकता और कियान्वयन पर सहमति बनी	

Scanned by CamScanner

• भ्रमण के दौरान कहीं भी आई.डी.सी.एफ. के पोस्टर दीवारों पर चस्पा नहीं पाये गये। • परिवार नियोजन की योजनाओं को लेकर वर्ष 2016 मे किये गये नुक्कड़ नाटकों के लंबित भुगतान के विषय मे डिप्टी सी.एम.ओ. से वार्ता की गई। **आई.डी.सी.एफ. को लेकर आयोजित ए.एन.एम. की बैठक** पुखरायां में ब्लाक अमरौधा के डा0 आदित्य सचान की अध्यक्षता में सघन दस्त नियंत्रण पखवाडे को लेकर चल रही बैठक मे टीम द्वारा सहभाग किया गया। • बैठक में टीम द्वारा लोगो को जागरूक किये जाने को लेकर ए.एन.एम. को कई अहम सुझाव दिये गये। • बैठक मे अधिकांश ए.एन.एम. द्वारा अवगत कराया गया कि आई.ई.सी. सामाग्री की कमी के कारण लोगों में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को लेकर जागरूकता का अभाव है। • टीम द्वारा ए.एन.एम. से अनुरोध किया गया कि आशाओं के माध्यम से सघन दस्त नियंत्रण पखवाडे की गाइड लाइन को अक्षरशः अनुपालन करते हुए गांव के सभी परिवारों तक सूचना एवं संदेश को प्रसारित किया जाये।	ए.एन.एम. की सूचना का स्तर पर्याप्त किंतु केवल एक ए.एन.एम. ही उपकेंद्र पर निवास करने के कारण सभी उपकेंद्रों में प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं।	एम.ओ.आई.सी. /मुख्य चिकित्सा अधिकारी
भोगनीपुर उपकेंद्र, ब्लाक अमरौधा दिनांक 31.05.2019 • उपकेंद्र का संचालन ए.एन.एम.राजरानी शर्मा द्वारा किया जा रहा था। ए.एन.एम. के स्वंय उपकेंद्र पर निवास करने के कारण उपकेंद्र प्रभावी रूप से कियाशील पाया गया। • उपकेंद्र पर अप्रैल व मई माह का औसत डिलीवरी रेट 50 पाया गया। मई माह में ही 55 ए.एन.सी. उपकेंद्र पर की गई। • उपकेंद्र पर प्रतिदिन 25 से 35 मरीजों की ओ.पी.डी. पाई गई। • रजिस्टर निरीक्षण मे पाया गया कि हाल ही मे एक प्रसूता को पी.पी.आई.यू.सी.डी. लगाई गई है। • प्रोटोकाल पोस्टर नहीं पाये गये। • एम.सी.पी. कार्ड नहीं पाये गये। • फोलिक एसिड सिरप, मलेरिया और फ्लू से जुडी दवायें नहीं पायी गई। • नवजात शिशओं को दिये जाने वाली विटामिन के का इंजेक्शन समेत अन्य कोई भी दवा उपकेंद्र पर नहीं पायी गई।	आवश्यक दवाओं/सेवाओं की व्यवस्था अपेक्षित	एम.ओ.आई.सी. एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित

(सुमित सोनकर)
परामर्शदाता

(अरविन्द त्रिपाठी)
परामर्शदाता

Scanned by CamScanner